राजस्थान में कडाना और माहीबांध से प्रभावित हुए किसानों को भूमि का आबंटन

1778. **श्री हीरा भाई** : क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कडाना और माहीबांधों के निर्माण के परिणामस्वरूप राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के किसानों की भूमि जलमग्न हो गई है ;

(ख) यदि हां, तो प्रत्येक किसान की कितनी भूमि जलमग्न हुई है ; और

(ग) क्या सरकार ने इन भूमिहीन किसानों को भूमि का आबंटन करने के लिए प्रबन्ध किए है और यदि हां, तो उन्हें कब तक भूमि आबंटित की जाएगी और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ।

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) : (क) जी, हां । कडाना और माही बजाज सागर बांधों के कारण बांसवाडा जिले के कृषकों की निजी जमीनें जलमग्न होंगी ।

(ख) गुजरात द्वारा 419 के पूर्ण जलाशय स्तर तक निर्मित किए गए रहे कडाना बांध से राजस्थान में लगभग 4,110 हैक्टेयर कृषकों की निजी जमीनें जलमग्न होंगी । जिनमें से लगभग 1,693 हैक्टेयर जमीन राजस्थान के बांसवाडा जिले की होगी । 921 तक के पूर्ण जलाशय स्तर पर माही बजाज सागर परियोजना के अन्तर्गत लगभग 7,676 हैक्टेयर किसानों की निजी जमीन का क्षेत्र आएगा ।

(ग) राजस्थान सरकार ने सूचित किया है कि राज्य के स्वीकृत मानदंडों के अनुसार भूमिहीन विस्थापितों के लिए कृषि योग्य भूमि के आबंटन का कोई प्रावधान नहीं है ।

पहाड़ी क्षेत्रों में खेती करने की कठिनाई

1779. **श्री भारत भूषण** : क्या **कृषि और सिंचाई** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उन्हें इस बात की जानकारी है कि पहाड़ी क्षेत्रों में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध नहीं है और खेत इतने बिखरे हुए है कि वहां खेती करना कठिन है, जिसके परिणामस्वरूप इस क्षेत्र के लोगों को अपने परिश्रम का उचित प्रतिफल नहीं मिल पाता है ; और

(ख) यदि हां, तो इन कठिनाइयों को दूर करने के लिए सरकार द्वारा कार्यान्वित की जाने वाली प्रभावी योजना का ब्यौरा क्या है ?

कृषि और सिंचाई मंत्री (श्री सुरजीत सिंह बरनाला) (क) और (ख) जानकारी एकत्र की जा रही और प्राप्त होते ही सभा पटल पर रख दी जाएगी ।